

भारत में उच्च जोखिम वाली सगर्भता

स्रोत: द हट्टि

मुंबई में ICMR के राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (National Institute for Research in Reproductive and Child Health- NIRRCH) के शोधकर्ताओं द्वारा जर्नल ऑफ ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन पूरे भारत में उच्च जोखिम वाली गर्भधारण की व्यापकता पर प्रकाश डालता है।

- उच्च जोखिम वाली सगर्भता इंगति करती है कएक महिला में एक या अधिक कारक हैं जो उसके या बच्चे के लयि स्वास्थ्य जटलिताओं की संभावना को बढ़ाते हैं, साथ ही समय से पहले प्रसव का खतरा भी बढ़ाते हैं।

अध्ययन के प्रमुख बढि क्या हैं?

- उच्च प्रसार: अध्ययन में पाया गया कभारत में 49.4% गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम वाली सगर्भता थी।
 - लगभग 33% गर्भवती महिलाओं में एक ही उच्च जोखिम कारक था, जबकि 16% में कई उच्च जोखिम कारक थे।
- क्षेत्रीय असमानताएँ: तेलंगाना के साथ-साथ मेघालय, मणिपुर और मज़ोरम जैसे राज्यों में उच्च जोखिम वाले कारकों का प्रचलन सबसे अधिक है।
 - इसके वपिरीत, सकिक्मि, ओडिशा और छत्तीसगढ में उच्च जोखिम वाली गर्भधारण का प्रचलन सबसे कम था।
- उच्च जोखिम वाली सगर्भता में योगदान देने वाले कारक:
 - जनम के बीच अंतर: पछिले जनम और वर्तमान गर्भधारण के बीच 18 महीने से कम अंतर को परभाषति कया गया है, जसि उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में योगदान देने वाले प्राथमकि कारक के रूप में पहचाना गया था।
 - मातृत्व संबंधी जोखिम के कारक: इनमें मातृ आयु (कशिरावस्था या 35 वर्ष से अधिक), छोटा कद एवं उच्च बॉडी मास इंडेक्स (BMI) जैसे कारक शामिल थे।
 - जीवनशैली तथा जनमपूर्व परणाम के जोखिम: जीवनशैली के जोखिम कारक जैसे तंबाकू तथा शराब का सेवन, साथ ही पछिले प्रतकिल जनम परणाम जैसे गर्भपात या मृत जनम, उच्च जोखिम वाली गर्भधारण में महत्वपूर्ण योगदानकर्त्ता थे।

गर्भवती महिलाओं से संबंधति भारत सरकार की पहल क्या हैं?

- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना: इसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 की धारा 4 के प्रावधानों के अनुसार कार्यान्वति कया जा रहा है, जो गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लयि वत्तीय सहायता प्रदान करता है, साथ ही माँ के साथ-साथ बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार करने एवं वेतन हानि के लयि मुआवज़ा सुनश्चिति करना है।
- जननी सुरक्षा योजना (JSY): यह योजना संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहति करने के लयि गर्भवती महिलाओं, वशिषकर कमज़ोर वर्गों को नकद सहायता प्रदान करती है।
- जननी शशि सुरक्षा कार्यक्रम (JSSK): यह सभी गर्भवती महिलाओं को सार्वजनकि स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त परविहन, नदिान, दवाओं और आहार के साथ C-सेक्शन (सीजेरयिन सेक्शन) सहति मुफ्त प्रसव का अधिकार देता है।
- प्रधानमंत्री सुरक्षति मातृत्व अभियान (PMSMA): गर्भवती महिलाओं को एक नश्चिति दनि, हर महीने के 9वें दनि एकवशिषज्ज या चकित्सा अधिकारी द्वारा नःशुल्क सुनश्चिति एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व जाँच प्रदान करता है।
- सुरक्षति मातृत्व आश्वासन (सुमन): इसका उद्देश्य सार्वजनकि सुवधिओं में प्रत्येक गर्भवती महिला और नवजात शशि के लयि नःशुल्क, सम्मानजनक तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुनश्चिति करना है।
- लक्ष्य/LaQshya: इसका उद्देश्य प्रसूति कक्ष (Labour Rooms) में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना, संभावति रूप से उत्पन्न जटलिताओं को कम करना तथा मातृ एवं नवजात शशि के लयि परणामों को बेहतर करना है।

और पढ़ें... मासकि धरम वाले रकत में सटेम कोशकिएँ

वधिकि दृषटकिण: उच्चतम नयायालय ने 26 सपताह के गर्भ के समापन की याचकि खारजि की

<https://www.drishtijudiciary.com/hin>

??????????:

प्रश्न. जननी सुरक्षा योजना कार्यक्रम का प्रयास है (2012)

1. संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना
2. प्रसव की लागत को पूरा करने के लिये माँ को आर्थिक सहायता प्रदान करना
3. गर्भावस्था और कारावास के कारण होने वाले नुकसान की भरपाई के लिये

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/high-risk-pregnancies-in-india>

